DAYANAND ANGLO VEDIC PUBLIC SCHOOL,AIROLI
SYLLABUS - PA3 (2026-27)
STD :VIII

ENGLISH

LITERATURE:-
1. The Children's Song 2. The Case of the Sharp-Eyed Jeweller 3. Couplets
GRAMMAR:-
1. Clauses and Complex Sentences 2. Linkers
WRITING TASK:-
1. Dialogue Completion 2. Speech Writing
READER:- Unit-4 Nature

SCIENCE

1. REFRACTION AND DISPERSION OF LIGHT
2. THE HUMAN EYE
3. SYNTHETIC FIBRES AND PLASTICS

MATHEMATICS

1. Linear Equations in One Variable 2. Polynomials 3. Statistics and Probability

SOCIAL SCIENCE

1.Manufacturing Industries
2.Colonialism and Urban change
3. The Nationalist movement
4.The Union government -The Executive

MARATHI

१) गिर्यारोहणाचा अनुभव
२) झुळूक (कविता)
३) आम्ही हवे आहोत का ?
व्याकरण: शब्दांच्या जाती, लिंग, वचन, काळ, वाक्प्रचार , समानार्थी शब्द, विरुद्धार्थी शब्द, विरामचिन्हे, वाक्याचे प्रकार
लेखन: पत्रलेखन, निबंध
लेखन.
गद्य उतारा वाचन

HINDI

पाठ्यपुस्तक :- ज्ञान सागर के पाठ - सितारों से आगे, पौधे के पंख, सूर और तुलसी के पद, सोना

व्याकरण हेतु अभ्यास सागर के पाठ - सितारों से आगे, पौधे के पंख, सूर और तुलसी के पद, सोना

व्याकरण :- समास, संधि, अलंकार, पर्यायवाची, विलोम, विराम चिह्न, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे, अनुस्वार एवं अननुनासिक

लेखन :- सूचना लेखन, पत्र लेखन (औपचारिक / अनौपचारिक)

अपठित गद्यांश

SANSKRIT

विषयः - संस्कृतम्

खण्डः क अपठित -अवबोधनम्

अपठित-गद्यांशः

खण्डः ख रचनात्मककार्यम्

1) चित्रवर्णनम्

2) संवादपूर्तिः

खण्डः ग अनुप्रयुक्तव्याकरणम्

1) सन्धिः(वृद्धिः , यण् , अनुस्वार)

2) शब्दरूपाणि - इकारान्तं पुल्लिङ्गं (मुनिवत्), उकारान्तं पुल्लिङ्गं (साधुवत्) ,

3) सर्वनामरूपाणि - पुल्लिङ्गं भवत्

4) विभक्तिः तत्कारणम् (पञ्चमीतः सप्तमीं यावत्)

5) धातुरूपाणि

परस्मैपदिनः- पठ्, गम्, दृश्, स्था, स्मृ, अस् ,भू ,वद् ,कृ ,पा , लिख् ,नम्।

(लोट्विधिलिङ्लकारयोः)

आत्मनेपदिनः- सेव् ,लभ् ,रुच्, शुभ्। (लट्लकारे)

6) प्रत्ययः - तुमन्

खण्डः घ पठित-अवबोधनम्

1) गद्यांशं पठित्वा उत्तरत

(एकपदेन , पूर्णवाक्येन , निर्देशानुसारम्)

2) पद्यांशं पठित्वा उत्तरत

(एकपदेन , पूर्णवाक्येन , निर्देशानुसारम्)

3) अन्वयपूर्तिः / भावार्थपूर्तिः

4) प्रश्ननिर्माणं कुरुत

5) कथापूर्तिः

6) शब्दार्थमेलनं कुरुत

पाठाः

7. सफलं तस्य जीवितम्

8. क्रोधेन कार्यं न सिध्यति

9. अविश्वस्ते न विश्वसेत्